बधाईयाँ

* **डॉ. आकाश, डॉ. आजाद जैन** ने मरक्युलोस्केलटल सोसायटी द्वारा आयोजित नेशनल कान्फ्रेंस में प्रथम पुरस्कार (प्रो. वीरेन्द्र मोहन बेस्ट पेपर अवार्ड) प्राप्त किया है। डॉ. आकाश जैन एम.डी. रेडियोलॉजी के अंतिम वर्ष में जामनगर मेडिकल कॉलेज में अध्ययनरत है।

* **डॉ. निष्ठा सुधीर जैन** (प्रेस) ललितपुर ने 5 वर्षीय बी.डी.एस. शिक्षा पूर्ण कर पीपल्स डेंटल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर भोपाल में डेंटल सर्जन की उपाधि प्राप्त की है।

* 20 से 28 नवम्बर तक नई दिल्ली में संपन्न नेशनल अंडर 15 गर्ल्स शतरंज चैम्पियनशिप में डीपीएस निपानिया इन्दौर व एस.के.एम. चेस एकेडमी इन्दौर की 12 वर्षीय 1569 अंतर्राष्ट्रीय फिडे रेटिंग प्राप्त शतरंज खिलाड़ी **नित्यता जैन** ने मध्यप्रदेश की तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए टॉप 15 वां स्थान प्राप्त किया।

* श्री चक्रेश जैन ग्वालियर "गोलालारीय दर्शन पत्रिका" के स्थानीय प्रतिनिधि के रुप में जुड़े है। आप धार्मिक कार्यों में विशेष रुचि रखते है। आप पुलक जन चेतना मंच महाराज बाग के संयोजक है व ग्वालियर जेल में निर्मित मंदिरजी के गत 3 वर्षों से अध्यक्ष है।

पार्श्वनाथ सहकारी साख संस्था के चुनाव संपन्न

पार्श्वनाथ सहकारी साख संस्था जो देश व प्रदेश की पहली सहकारी साख संस्था है जो गोलालारीय समाज के सदस्यों द्वारा संचालित की जा रही है के संचालक मंडल के चुनाव निर्विरोध संपन्न हुया। यह संस्था वर्ष 1993 में समाज सदस्यों द्वारा गठित की गयी थी। संस्थापक अध्यक्ष श्री राजेन्द्रकुमार जैन सायकल वाले व इसके पश्चात अध्यक्ष रहे श्री प्रमोदकुमार जैन पेठेवालो के कार्यकाल में संस्था ने अपना आर्थिक आधार सुदृढ़ किया। गत अध्यक्ष श्री विजयकुमार जैन बियाबानी वालों ने अपने कार्यकाल में साख संस्था को नवीन ऊंचाईयां प्रदान कर ऋण सीमा को बढ़ाया व सदस्यों के हित में अनेकों उचित निर्णय लेकर संस्था की प्रगति को सतत बनाया रखा। अक्टूबर 2016 में निर्विरोध चुनाव में अध्यक्ष श्री सुधेशकुमार जैन, उपाध्यक्षद्वय श्री अरुणकुमार जैन व श्रीमती संगीता सुनीलकुमार जैन का चयन संचालक मंडल द्वारा किया गया। पार्श्वनाथ सहकारी साख संस्था गत 23 वर्षों से सदस्यों की आर्थिक उन्नति के लिए कम ब्याज दर पर तत्काल ऋण सुविधा प्रदान कर रही है। संस्था सदस्यों को प्रतिवर्ष लाभांश वितरित किया जाता है व सदस्य के निधन पर उनके परिजनों को परिवार कल्याण राशि निरंतर प्रदान की जा रही है। आगामी वर्ष संस्था का रजत जयंती वर्ष होगा, जो कि बड़े ही उत्साहपूर्वक मनाया जावेगा।

संस्थापक अध्यक्ष
राजेन्द्रकुमार जैन

पूर्व अध्यक्ष
वियकुमार जैन

अध्यक्ष
सुधेशकुमार जैन

उपाध्यक्ष
अरुणकुमार जैन

उपाध्यक्ष
संगीता सुनील जैन

कल्पना राजेन्द्र जैन
संचालक

आलोक जैन
संचालक

शैलेन्द्र जैन
संचालक

नागेन्द्र जैन
संचालक

पवनकुमार जैन
लेखापाल

सोशल मीडिया से...

श्री सम्मेद शिखर जी पर्वत पर हुई, हेलीकाप्टर की ट्रायल लेंडिग

जैन धर्म की पवित्र भूमि पर धीरे धीरे हमारा आधार खिसकता जा रहा है, इसका दोषी कौन? जी हाँ, आप और हम!!

अभी भी न सम्हले, तो एक दिन तरस जाओगे, इस शाश्वत तीर्थ के दर्शन को।

जैन धर्म का त्रिकाल शाश्वत एवं परम पावन तीर्थ, हमारी ही कुछ शिथिलताओं के कारण से हमारे हाथों से निकलता प्रतीत हो रहा है? इन हालातों के लिए आप और हम दोषी है, क्यों? आईये इस पर हम विचार करते है, एक नज़र हम पहाड़ वंदना के दौरान की गयी गलतियों पर डालें –

सुन्दर से धवल वस्त्रों में, पारस बाबा की आवाज लगाते हुए रात्रि के करीब ढाई, तीन बजे एक हाथ में टॉर्च व बगल में द्रव्य की थैली लटकाये पर्वतराज पर विराजित परम पूज्य तीर्थंकर भगवंतों के चरण चिन्हों के दर्शन यात्रा की शुरुआत करते है।

पहली टोंक भी न पहुँच पाये कि कुछ लोगों के हाथों में आने लगी पानी की बोतल, अपवित्र जल, पर्वत मार्ग पर रह रहे दुकानदारों से खरीदकर खुशी महसूस करते है।

रास्ते में ढेर सारी दुकानों पर बिक रहे, आलू, प्याज के बने पकोड़े और अन्य आइटम, बड़े शौक से खाते हुए, जमकर पैसा खर्च करते हुए, न पवित्रता की चिंता, ना आस्था और विश्वास पर भरोसा। बस झूठी शान और मौज मस्ती का माहौल। यह भी ख्याल नही कि इन्ही दुकानदारों में से कुछ लोग अभक्ष पदार्थों उत्पादन भी कर रहे।

यानि की हम खुद प्रेरित कर रहे, इन भील भिलाडों को, कि आओ हमें खिलाने पिलाने के बहाने आओ, इस पावन भूमि पर कब्जा करो, दुकानें लगाओ, मोटर साइकिल से आओ, आलू, प्याज और मुर्गी पालो, और अब हेलीकाप्टर भी आ रहा है। बची खुची कसर यह सुविधा पूरी करेगा।

इस हेलीकाप्टर सुविधा के बाद हम ही लोग मांग करेंगे कि विश्राम गृह और बाथरूम बनवाओ। फिर सभी जातिवर्ग के लोग मौज मस्ती के लिए घूमने फिरने आएंगे और अनाधिकृत कृत्य करेंगे जिससे पर्वत की शाश्वत पवित्रता नष्ट तो होगी ही और हमारी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचेगी। इस तरह जैन समाज के हाथो से निकल सकता है ये शाश्वत तीर्थ। इसके अपराधी होंगे हम और आप वे सभी लोग, जिनके कारण ये दुकानदार पनप रहे।

सावधान– अभी भी सम्हलने का वक्त है। एक बोतल पानी, थोडा सा जलपान के चक्कर में अपने तीर्थ को दूसरों के हाथों में सौंपने के अपराधी न बने, वर्ना आगामी सैकड़ों पीढ़िया आपको कोसेंगी, कभी माफ नही करेंगी। संकल्प लो, इस पर्वत पर एक पैसा भी खर्च कर जलपान सामग्री नही खरीदेंगे। जरुरी हुआ, तो निजी सामग्री नीचे से ही लेकर जाएंगे। जागो जैन समाज जागो, अपने तीर्थो को संरक्षण हमारा नैतिक दायित्व है और इसे हमें अंतिम समय तक बचाने का संकल्प लेना चाहिये।

* विनम्र श्रद्धांजली *

* **श्री मुन्नालालजी जैन (कक्का)** का देहांत 4 अक्टूबर को गंजबासौदा में हो गया। आप सामाजिक गतिविधियों में काफी सक्रिय थे।

* स्व. श्री धरमचंदजी की धर्मपत्नी **श्रीमती चन्द्रकलाजी** का निधन 24 अक्टूबर को इन्दौर में हो गया। आप सरल स्वभावी व धार्मिक कार्यों में रुचि रखने वाली महिला थी।

* स्व. श्री बाबूलालजी की धर्मपत्नी **श्रीमती मैदाबाई** का निधन 5 नवम्बर को इन्दौर में हो गया। आप सरल स्वभाव की महिला थी।

* स्व. श्री दयाचंद भंडारी करैरावालों की धर्मपत्नी **श्रीमती कमलादेवी जैन** का देहांत 78 वर्ष की आयु में 8 नवम्बर को भोपाल में हो गया। आप अत्यंत मृदुभाषी व मिलनसार महिला थी।

* **श्रीमती इमरतबाई** धर्मपत्नी श्री धन्नालालजी जैन सिमरिया वालों का निधन 9 नवम्बर को विदिशा में हो गया है।

* **डॉ. इंदरचन्द जैन (तुमसर वाले)** का निधन 20 नवम्बर को रायपुर में हो गया। आप नाड़ी वैद्य के अच्छे जानकार थे। आपने समाज के अनेक आयोजनों में अपनी सहभागिता निभायी।

* स्व. श्री फूलचंदजी की धर्मपत्नी **श्रीमती सुशीलाबाई** का निधन 26 नवम्बर को ग्वालियर में हो गया। अंतिम समय में भक्तामर व णमोकार मंत्र का वाचन सुन आपने प्राण त्याग दिए। आप अत्यंत धार्मिक स्वभाव की महिला थी।

* **श्री सतीशचंद जैन** का स्वर्गवास 90 वर्ष की दीर्घायु में 9 अक्टूबर को टीकमगढ़ में हो गया। आप सामाजिक व धार्मिक कार्यों में बढ़ चढ़कर योगदान देते थे।

* **श्रीमती लक्ष्मीबाई जैन** धर्मपत्नी स्व. श्री पं. रामप्रसादजी शास्त्री का देहांत 14 अक्टूबर को लाडनूँ (राज.) में हो गया है। आप धार्मिक स्वभाव की महिला थी

गोलालारीय दर्शन परिवार अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

नोट – विधिवत जानकारी प्राप्त होने पर ही शोक संदेश का प्रकाशन किया जावेगा।